

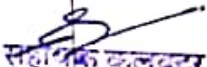
30.1.19

वकुलाय फरीकेन उपस्थित। वकील अप्रार्थी संख्या 01 की और से प्रस्तुत ओवदन अन्तर्गत आदेश 39 नियम 04 सपठित धारा 151 सीपीसी दिनांक 25.01.2019 पर उभय पक्षों की बहस सुनी गई। वकील अप्रार्थी संख्या 01 का कथन है कि प्रार्थी द्वारा स्थगन आदेश की आड़ में अप्रार्थी संख्या 01 के हिस्से की कब्जा काशत की भूमि पर निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। यदि प्रार्थी का उक्त कृत्य विधि विरुद्ध है। प्रार्थी को भी अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा के माध्यम से पाबन्द किया जाना आवश्यक है।

वकील प्रार्थी द्वारा अवगत करवाया कि प्रार्थी द्वारा अपने कब्जा काशत की भूमि में किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं करवाया जा रहा है। अप्रार्थी द्वारा लाया गया आवेदन पत्र तथ्यों पर आधारित नहीं होने से खारिज योग्य है।

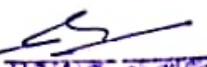
उभय पक्षों को सुनने के उपरान्त पत्रावली का भी अवलोकन किया गया। प्रकट तथ्यों एवं पत्रावली के अवलोकन से ज्ञात होता है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं अप्रार्थी संख्या 01 की संयुक्त खातेदारी की है। राजस्व अभिलेख में उसका विभाजन भी अंकित नहीं है। ऐसी स्थिति में किसी भी पक्ष द्वारा निर्माण कार्य करवाया जाता है तो अनुचित है। राजस्व प्रकरणों की बहुलता को रोकने हेतु प्रार्थी को भी पाबन्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः वकील अप्रार्थी संख्या 01 द्वारा प्रस्तुत आवेदन अन्तर्गत आदेश 39 नियम 04 सपठित धारा 151 सीपीसी स्वीकार किया जाकर अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा आगामी पेशी तारीख तक प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण के विरुद्ध इस आशय की जारी की जाती है कि मौजा उतरलाई पटवार क्षेत्र कवास तहसील व जिला बाडमेर के खसरा संख्या 316/10 रकबा 04.11 बीघा में प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं करें, दोनों ही पक्ष मौके की यथा स्थिति बनाये

  
 सह सचिव कलक्टर  
 (SDO) बाडमेर

रखें। प्रकरण के निस्तारण हेतु मौके की रिपोर्ट तहसीलदार बाडमेर से तलब किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः तहसीलदार बाडमेर को उक्त भूमि की मौके की रिपोर्ट पक्षकारान की उपस्थिति में तैयार कर भिजवाने हेतु कमीशनर नियुक्त किया जाता है। तहसीलदार बाडमेर मौके का निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन शीघ्र प्रस्तुत करें। पत्रावली दिनांक 06.03.2019 को पेश हो।


रिपोर्ट  
224  
4/7/19

  
सहायक कमिश्नर  
(SDO) बाडमेर

13/04/19  
(13/04/19)

वकील आर्ची डे अग्रेसर ए गट -  
पत्रावली काज पेश हुई। आर्ची मने-  
वकील उषा ग. आर्ची मम वकील उषा मने-  
अगर एक अग्रेसर डल अग्रेसर म-  
प्रस्तुत किया कि लमाज डे मोजेज  
दमाजो राय पक्षकारान डे  
मदम समझाई कर. अग्रेसर म  
राजीगमा करवा दिया है, अग-  
कोई विवाद नहीं होने है प्रकरण  
आरिफे डिडा करिये डिमा जको  
प्रकर तथो एकद पत्रावली डे  
अवलोकनापरान्त यह स्पष्ट है कि  
पक्षकारान डे मदम राजीगमा को  
से लगे अडालत को माफगा डे  
पुस्तो अग्रेसर प्रकरण आरिफे राजीगमा  
डिडा करना पारत है।  
अतः अग्रेसर आर्ची लीका (डिमा  
आवक यह प्रकरण आरिफे डिडा करिये  
डिमा जाता है। प्रकरण डिनारमे  
निषेधाज्ञा आरिफे की जाती है।  
पत्रावली हुकर फेरल लगे।  
दाली दफ्तर को

पत्रावली  


  
सहायक कमिश्नर  
(SDO) बाडमेर